पेराई में लेटलतीफी से शुगर प्रॉडक्शन में 17% की गिरावट

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

करेंट सीजन में शुगर प्रॉडक्शन 115.4 लाख टन पर पहुंच गया। हालांकि, अब भी यह पिछले साल के इसी पीरियड के मुकाबले 17 फीसदी कम है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के मुताबिक, पिछले साल 31 जनवरी तक जहां देश में 509 शुगर मिलें ऑपरेशनल थीं, वहीं इस बार चालू चीनी मिलों की संख्या 487 है।

आईएसएमए की रिलीज में कहा गया है, 'पिछले साल के मुकाबले इस बार कम प्रॉडक्शन की मुख्य वजह महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में शुगर मिलों में देर से काम शुरू होना है।' महाराष्ट्र में कुल 152 शुगर मिलें इस वक्त ऑपरेशनल हैं और इनसे कुल 40.75 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ है। पिछले साल इसी पीरियड में कुल 166 शुगर मिलों में कामकाज चल रहा था और इससे 8.5 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ था। राज्य में रिकवरी रेट 10.54 फीसदी है।

उत्तर प्रदेश में कुल 27.6 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ है और यहां 119 मिलों में पेराई का काम चल रहा है। इस राज्य में रिकवरी रेट 7 फीसदी है, जो पिछले साल के मुकाबले 1 फीसदी कम है। मौजूदा सीजन में कर्नाटक में कुल 21.5 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ है, जबकि पिछले साल 31 जनवरी तक 24.3 लाख टन प्रॉडक्शन हुआ था। इस सीजन में राज्य में कुल 59 शुगर मिलों में गन्ना पेराई का काम चल रहा है। आंध्र प्रदेश, गुजरात और

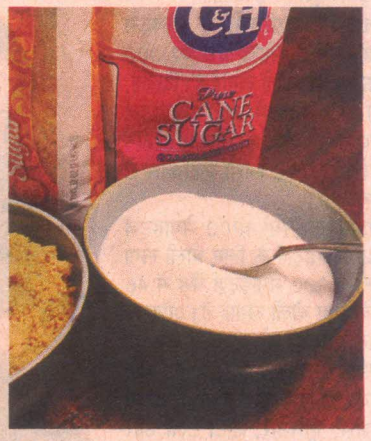

तमिलनाडु में क्रमशः 5.10 लाख टन, 6.10 लाख टन और 4 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ है, जबकि पिछले साल उत्पादन 5.67 लाख टन, 6.82 लाख टन और 6.45 लाख टन रहा था।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने बताया, 'शुगर की कीमत कम रहने से मिलों का रेवेन्यू उनकी प्रॉडक्शन कॉस्ट से काफी कम है। लिहाजा, शुगर मिलें किसानों को सही समय पर गन्ने का भुगतान नहीं कर पा रही हैं। आशंका है कि सीजन के आगे बढ़ने के साथ-साथ गन्ने की बकाया राशि में और बढ़ोतरी होगी।'

एसोसिएशन के अनुमान के मुताबिक, जनवरी 2014 के आखिर में पूरे देश में गन्ने की बकाया राशि 10,000 करोड़ रुपये है।

Economic Times (Hindi)

4/2/14

✓ N